सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 347 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 25 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

अधिक से अधिक भोले, कम ज्ञानी और बच्चों की तरह बनिए। जीवन को मजे के रूप में लीजिये क्योंकि वास्तविकता में यही जीवन है

-ओशो

दूसरे टी-20 से पहले भारत को लगा... 7
फिर एकबार ताकत बटोरेगा इंडिया... 3
गरीबों की जमीन का जबरन अधिग्रहण... 2

दिल्ली की चुनावी सभाओं में तीखा हुआ प्रचार

आप ने भाजपा को घेरा, कांग्रेस ने किया वापसी का दावा

नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप चरम पर

» केजरीवाल पर बरसे अनुराग व पायलट

» अमित शाह ने जारी किया भाजपा का संकल्प पत्र-3

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इन दिनों दिल्ली में चुनावी माहौल है। राजनीतिक पार्टियां दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों में डटी हैं। वहीं सत्ता संग्राम में आप, भाजपा और कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। तीनों पार्टियों अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं और विरोधी दलों पर हमलावर हैं। कांग्रेस व आप ने कई चरणों में चुनावों के घोषणापत्र जारी किए हैं शनिवार को भाजपा ने दिल्ली चुनाव के लिए पार्टी के संकल्प पत्र का तीसरा हिस्सा जारी किया।

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनसभा करके आप सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस भी आप को घेरने का कोई मौका नही छोड़ रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने तो भाजपा व आप को एक ही सिक्के का पहलू बता दिया है। उधर नई दिल्ली विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने घर-घर जाकर चुनाव प्रचार किया। भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा यमुना घाट पहुंचकर यमुना नदी की सफाई के मुद्दे पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया। प्रचार के दौरान पोस्टवार भी तेजी में देखे गए।

आप सरकार ने कच्ची कॉलोनियों में कराया विकास : केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कच्ची कॉलोनियों में विकास कराया है। पिछले 10 साल में हमने दिल्ली की लगभग सभी कॉलोनियों में सीवर की लाइन बिछाई है। अब इन सीवर की पाइपलाइन को घरों से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही जहां भी सीवर ओवरफ्लो कर रहा है, वहां सफाई करायेंगे और समस्या से निजात दिलाएंगे।

आप ने गृहमंत्री को बताया दिल्ली के लिए खतरा

जारी किया पोस्टर, विलेन के तौर पर किया पेश

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 ने राजनीति की नैतिकता और शिष्टाचार के स्तर को निचले पायदान पर पहुंचा दिया है। इस चुनाव में राजनीतिक पार्टियां न केवल अपनी उपलब्धियां गिनाने में लगी हैं, बल्कि एक दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप और अपमानजनक बयान देने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'चोर' करार दिया है, वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को 'विलेन' के रूप में पेश किया है। यह दोनों बयान इस बात को दर्शाते हैं कि दिल्ली चुनाव में राजनीति का स्तर गिर चुका है और नैतिकता का अभाव है। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को विलेन के रूप में पेश किया है। आम आदमी पार्टी ने अमित शाह के खिलाफ पोस्टर जारी कर उन्हें दिल्ली के लोगों के लिए खतरा बताया है। पार्टी का आरोप है कि अमित शाह दिल्ली चुनावों में बीजेपी की हार से बचने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं और विभिन्न तरीके से चुनावी माहौल को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी का यह कदम भी उतना ही विवादास्पद है, जितना बीजेपी का केजरीवाल के खिलाफ बयान।

चुनावी मुकाबला अब नफरत और अपमान के स्तर तक पहुंचा

नफरत का मैदान

इन दोनों आरोप-प्रत्यारोपों को देख कर यह कहा जा सकता है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव अब व्यक्तिगत आरोपों और नकारात्मक प्रचार का मैदान बन चुका है, जहाँ एक तरफ दोनों मुख्य दल अपने राजनीतिक विरोधियों को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर जनता की समस्याओं और आवश्यकताओं पर कोई ठोस चर्चा नहीं हो रही। यह स्थिति राजनीति के नैतिक आयाम को कमजोर करने वाली है और मतदाताओं में असमंजस और नकारात्मकता को बढ़ावा देती है।

नैतिकता के सारे स्तर टूटे

बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल को 'चोर' कहकर उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। यह आरोप सिर्फ चुनावी प्रचार के दौरान किए गए सामान्य हमलों से कहीं ज्यादा गहरे हैं। बीजेपी का आरोप है कि केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में विकास के नाम पर केवल वादे किए, जबकि असल में भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। इसके साथ ही, केजरीवाल और उनकी पार्टी पर यह भी आरोप लगाया गया कि वे जनता से किए गए वादों को पूरा करने में असफल रहे। बीजेपी के इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि दिल्ली चुनाव में व्यक्तिगत आरोप और नफरत की राजनीति ने नैतिकता के सारे स्तर तोड़ दिए हैं।

आप का रवैया पूरी तरह महिला विरोधी : अनुराग ठाकुर

भाजपा के स्टार प्रचारक व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगोलपुरी, नई दिल्ली और द्वारका विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं कर आप व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखे हमले बोले। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार महिलाओं का अपमान और उनके साथ अन्याय करने वाली बन गई है। केजरीवाल और उनकी पार्टी का रवैया पूरी तरह महिला विरोधी है। उनकी सरकार में महिलाओं पर अत्याचार और अपमान आम बात हो गई है। स्वाति मालीवाल जैसी अपनी ही पार्टी की महिला सांसद को घर बुलाकर पिटवाना और अभद्र टिप्पणी करवाना इस बात का प्रमाण है।

दिल्ली में कांग्रेस की वापसी तय : सचिन पायलट

कांग्रेस महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शुक्रवार को मादीपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश और दिल्ली की जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है। भाजपा और आप ने लाखों रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन इन मुद्दों पर बात करने से दोनों पार्टियां भाग रही हैं।

गरीबों की जमीन का जबरन अधिग्रहण कर भाजपाइयों को बेच रही सरकार : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले - अपराधी सत्ता के संरक्षण में खुलेआम गरीबों पर कर रहे अत्याचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया है। भाजपा के लोग जमीनों पर कब्जा कर रहे है। सरकार गरीबों और किसानों की जमीनों को कम कीमतों में जबरन अधिग्रहण कर भाजपाइयों को बेच रही है। अयोध्या से लेकर पूरे प्रदेश के किसान भाजपा की जमीन कब्जाने की नीति से पीड़ित है। किसानों को न्याय नहीं मिल रहा है।

भाजपा सरकार अपराधियों, माफियाओं को संरक्षण देती है। अपराधी सत्ता के संरक्षण में खुलेआम गरीबों पर अत्याचार कर रहे है। भाजपा सरकार विकास विरोधी और पीडीए विरोधी है। पीडीए के साथ भेदभाव करती है। पीडीए को हर जगह प्रताड़ित किया जा रहा है। अधिकारियों, कर्मचारियों को हर तरह से परेशान किया जा रहा है। इस सरकार ने जनता के हित में कोई काम नहीं किया। महंगाई, बेरोजगारी भ्रष्टाचार से हर वर्ग परेशान है। किसान, नौजवान महिलाएं त्रस्त है। मुख्यमंत्री के पास जनता को बताने के लिए कोई काम नहीं है। मुख्यमंत्री के पास झूठ और लफ्फाजी के अलावा कुछ नहीं है। नफरत और नकारात्मक राजनीति ही मुख्यमंत्री जी की पहचान है। वह पीडीए से घबराए हुए है। पीडीए के अधिकारियों, कर्मचारियों से नफरत करते है। मुख्यमंत्री को अपने पद की गरिमा का कोई भान नहीं है। संविधान और लोकतंत्र की हत्या कर रहे है। जनता अब इनकी नकारात्मक राजनीति का अंत करने को तैयार है।

पूर्व सीएम ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को किया याद

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में समाजवादी आंदोलन के वरिष्ठ नेता, जननायक के नाम से लोकप्रिय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती सादगी से मनायी गयी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कर्पूरी ठाकुर ने डॉ लोहिया, जय प्रकाश नारायण के साथ समाजवादी आंदोलन और सामाजिक न्याय की लड़ाई में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था। उन्होंने बिहार में अति पिछड़ों को आरक्षण दिया था।

सपा प्रमुख से मिले राष्ट्रीय चैम्पियन प्रणव मिश्रा

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में पावर लिफ्टिंग एवं स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग में दो बार के राष्ट्रीय चैम्पियन प्रणव मिश्रा ने भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। अखिलेश यादव ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की।प्रणव मिश्रा ने हाल में हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता है। इससे पूर्व वे अलीगढ़ में पावरलिफ्टिंग और स्ट्रेन्थलिफ्टिंग की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता में गोल्ड व सिल्वर मेडल जीत चुके है। उन्होंने उत्तर प्रदेश और संडीला कस्बे का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर प्रणव मिश्रा के साथ आये अभिषेक दीक्षित एडवोकेट भी उपस्थित रहे।

सपा ने वरिष्ठ नेता के निधन पर व्यक्त किया शोक

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बलिया जनपद के समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व जिला महासचिव एवं जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन आचार्य शम्भू नाथ यादव (71 वर्ष) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अखिलेश यादव ने दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

तेजस्वी यादव के आरोपों के बाद नीतीश सरकार ने उठाये कदम

» बिहार में कानून को दुरूस्त करने के बिहार सरकार ने शुरू किया ऑपरेशन

» सबसे पहले दोषी पुलिसकर्मियों की पहचान कर सजा देगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने बिहार में कानून-व्यवस्था को और सशक्त बनाने के लिए बिहार पुलिस की रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून का राज कायम करने के लिए पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है और कानून के उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है।

कानून का राज स्थापित करने के लिए जो भी कार्रवाइयां हैं, उन सभी को हम प्रभावी ढंग से लागू कर रहे हैं। पुलिस की कार्यप्रणाली में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कानून का पालन हो और जो कानून का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी और व्यापक कार्रवाई की जाएगी। हम लगातार यह प्रयास कर रहे हैं कि कोई भी कानून से ऊपर न हो, चाहे वह पुलिस अधिकारी हो या कोई सरकारी कर्मचारी। उन्होंने कहा कि जब पुलिस अधिकारियों द्वारा कोई गलती या अपराध हुआ, तो उन्हें भी उसी तरह से सजा दी गई, जैसे किसी आम अपराधी को दी जाती है। जैसे कि मक्रेर थाना अध्यक्ष, बग्घा में डीएसपी या उत्पाद थाने के इंस्पेक्टर के मामले में कार्रवाई की गई है और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। ऐसे मामलों में हम कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। गौरतलब है कि कल ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अंनत सिंह प्रकरण पर सरकार पर गंभीर अरोप लगाये थे। उनहोंने बिहार प्रदेश में हालिया घटित घटनाओं का हवाला देकर नीतिश सरकार पर जगलराज कायम करने की बात कही थी। तेजस्वी के आरोपो के बाद मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने डीजीपी को कानून व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये हैं।

हुड्डा बैकडोर से बीजेपी को जिता रहे हैं: अभय चौटाला

हरियाणा की राजनीति में बवाल, कांग्रेसी विधायकों ने बीजेपी सीएम के साथ किया मंच साझा

» इनेलो ने बनाया मुद्दा, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा की राजनीति में इन दिनो बवाल हो गया है। दरअस्ल कुछ कांग्रेसी विधायकों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया और बाद में उनकी तारीफ भी कर दी। इस बात को वहां की प्रमुख राजनीतिक दल इनेलो ने गंभीरता से लिया और कांग्रेस के नेता भूपेन्द्र सिंह हुडडा पर बीजेपी के साथ मिलीभगत कर राजनीतिक करने का अरोप जड़ दिया। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अभय चौटाला ने कहा कि हुड्डा बीजेपी से मिले हुए हैं और उन्होंने बीजेपी को सत्ता में लाने का खेल किया। उन्होंने साथ ही कहा कि उनकी पार्टी इनेलो प्रदर्शनकारी किसानों के साथ खड़ी है। अभय चौटाला ने कहा मैं तो पहले हमेशा खुलकर कहता था आज भी कह रहा हूं कि हुड्डा बीजेपी से मिले हुए हैं. हुड्डा ने ही अबकी बार

बीजेपी को सत्ता में लाने की प्लानिंग की और बड़ा गेम खेला। अब तो बाबरिया का स्टेटमेंट आने पर स्पष्ट हो गया. पहले ये लोग ईवीएम पर आरोप लगा रहे थे कि सरकार ने ईवीएम के माध्यम से हमें चुनाव में हराया है। अब तो बाबरिया के बयान से स्पष्ट हो गया है कि हुड्डा ने बीजेपी को जिताया और कांग्रेस को हराया। उधर, प्रदर्शन कर रहे किसानों को लेकर अभय चौटाला ने कहा है कि पंजाब में बैठे हुए किसानों को एक साल हो गए। लोकसभा का चुनाव हो गया विधानसभा का चुनाव हो गया। इसमें रुकावेट हरियाणा की सरकार है। सरकार ने आज किस तरह के बैरिकेड लगा रखे हैं कि आदमी तो दूर की बात, पक्षी पर नहीं मार सकते हैं। मैंने खुद अपनी आंख से देखा है।

किसान के साथ इनेलो

चौटाला के मुताबिक पहले तो यह लोग कील लगाया करते थे फिर कंक्रीट की बहुत बड़ी दीवार खड़ी कर दी। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी दीवार है कि कल उसको हटाना पड़ेगा तो पुल डैमेज हो जाएगा। इनेलो चौधरी देवी लाल की नीतियों को बढ़ाने वाला दल है। हमने सत्ता में रहते हुए हमेशा गरीब आदमी को आगे बढ़ाया। किसान की फसल को खीरदने का इंतजाम किया। मजदूर की मजदूरी कैसे बढ़े उसको ज्यादा से ज्यादा सपोर्ट सरकार से मिले उसपर काम किया है। आज भी इनेलो इस आंदोलन में किसान के साथ है।

महाराष्ट्र सरकार में अब दो नहीं तीन उपमुख्यमंत्री होंगे : राउत

» राज्यसभा सांसद ने कहा- तीसरा उपमुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना से ही होगा

» शिवसेना यूबीटी के नेता का दावा- शिवसेना में दरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शिवसेना प्रमुख और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी पार्टी पर कटाक्ष किया। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना में दरार है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में शिवसेना से तीसरा उपमुख्यमंत्री होगा।

राज्यसभा सांसद राउत ने कहा कि पर्दे के पीछे कुछ गतिविधियां चल रही हैं, जिससे भविष्य में राज्य में तीन उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं। वर्तमान में, एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार उपमुख्यमंत्री हैं।

राउत ने कहा, किसी को भी एकनाथ शिंदे को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। वह उपमुख्यमंत्री हैं, लेकिन उन्हें सोचना चाहिए कि महाराष्ट्र को तीसरा उपमुख्यमंत्री मिल रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

फिर एकबार ताकत बटोरेगा इंडिया गठबंधन

सपा-आप फिर सबको जोड़ेंगे, जल्द बैठक की जाएगी

- भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए होंगे एकजुट
- अखिलेश व केजरीवाल की होगी अहम भूमिका
- बढ़ेगा कांग्रेस का कद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनावी प्रचार तेजी पर है। वहां पर त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है। मुख्य मुकाबला आप व भाजपा में होने की संभावना है। कांग्रेस अकेले वहां पर दावं लगा रही है। उधर सपा, टीएमसी जैसी इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने आप का वहां पर समर्थन किया है। हालांकि सपा ने कहा है वह कांग्रेस के साथ खड़ी है। सपा ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को साथ देने का फैसला हुआ था जबकि विधान सभाओं में उन पार्टियों का साथ देने का निर्णय लिया गया जो क्षेत्रीय आधार पर मजबूत हैं।

उधर बिहार में भी इसी साल होने वाले चुनाव के मद्देनजर वहां भी सियासी जोड़तोड़ शुरू हो गया है। राजद वहां की सत्ता में बैठी एनडीए सरकार को घेरने का मौका नहीं छोड़ रही हैं। इन सबके बीच ऐसी भी चर्चा हो रही है कि देश में मुख्य विपक्षी इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की तैयारियां नए सिरे से शुरू की जाएंगी। इसके तहत क्षेत्रीय दलों की भूमिका बढ़ाई जाएगी। गठबंधन की शीघ्र ही दिल्ली में बैठक होगी जिसमें महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। दरअसल, इंडिया गठबंधन को लेकर समय-समय पर उसके घटक संगठनों के भीतर से ही खिलाफ के स्वर आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के नेता तेजस्वी यादव ही गठबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठा चुके हैं। गठबंधन के सूत्र बताते हैं कि इन सबके उलट सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गठबंधन को मजबूत करने की रणनीति बनाई है। सपा ने फॉर्मूला दिया है कि इंडिया गठबंधन में क्षेत्रीय दलों की भूमिका को बढ़ाया जाए। तृणमूल कांग्रेस पहले ही कह चुकी है कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को दिया जाए। सूत्र बताते हैं कि ममता बनर्जी को संयोजक बनाए जाने पर सपा को भी कोई आपत्ति नहीं होगी। इससे पहले राजग में भी दूसरे-तीसरे नंबर के राजनीतिक दलों को यह जिम्मेदारी मिलती रही है। समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडीज और शरद यादव भी राजग के संयोजक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसलिए क्षेत्रीय दलों का मानना है कि इंडिया गठबंधन में भी यह प्रयोग करने में कोई हर्ज नहीं है। कोशिश है कि राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उस राज्य के सबसे बड़े विपक्षी दल के नेतृत्व में काम करे। वहीं, जब भी लोकसभा चुनाव हों तो राष्ट्रीय राजनीति के मद्देनजर सीटों का बंटवारा हो। जाहिर है कि इसमें कांग्रेस का शेयर ज्यादा रहेगा।इंडिया गठबंधन में शामिल सपा सूत्र बताते हैं कि शीघ्र ही गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक होगी। इसमें सभी घटक दलों के प्रमुख नेता शामिल होंगे। सभी मुद्दों पर विस्तार से बात होगी। हर बैठक में अगली बैठक की संभावित तिथि व माह की भी घोषणा की जाएगी।

आप और भाजपा में तू-तू मै-मै जारी

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग स्कूल व अस्पताल नहीं बना सकते। 11 साल में 22 करोड़ नौकरियां देने का वादा करने वाली भाजपा ने देश को केवल महंगाई और बेरोजगारी दी है, जबकि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को विश्वस्तरीय बनाया गया। वहीं, प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल झूठ बोलने की कला में माहिर हैं। केजरीवाल पूरी तरह से दिल्लीवासियों से कट चुके हैं और राजनीतिक रूप से हताश हो चुके हैं। वह दिल्ली वासियों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस बार वे निराश हैं, क्योंकि जहां भी जाते हैं, उनका स्वागत मोदी-मोदी के नारों से होता है। सचदेवा ने कहा है कि हम मोहल्ला क्लीनिक को फुल टाइम लोकल डिस्पेंसरी में बदल देंगे और उनका उपयोग फर्जी टेस्ट के माध्यम से पैसे कमाने के लिए नहीं होगा।

चुनावी घोषणा पत्र में योजनाएं चुराने का आरोप

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया। इसमें भाजपा ने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया है। साथ ही गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये देने समेत कई वायदे किए हैं। भाजपा के इस संकल्प पत्र पर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने हमारे वायदे कॉपी किए हैं, उनके पास अपना कोई विजन नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, भाजपा अध्यक्ष ने अपना संकल्प पत्र में कई रेवड़ियों की घोषणा की। क्या इन्हें बांटने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुमति ले ली है? प्रधानमंत्री ने सैकड़ों बार कहा है कि फ्री की रेवड़ी सही नहीं है। केजरीवाल फ्री की रेवड़ी बांटता है यह देश के लिए सही नहीं है, लेकिन बीजेपी अध्यक्ष ने एलान किया है कि हम भी केजरीवाल की तरह फ्री की रेवड़ी देंगे। प्रधानमंत्री आकर एलान करें कि उनकी सहमति है, वे बोलें कि मैंने गलत बोला था केजरीवाल सही है, फ्री की रेवड़ी भगवान का प्रसाद है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि उन्हें यह स्वीकार करना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे बारे में जो कुछ कहा, वह गलत था। केजरीवाल ने घोषणापत्र में दिल्ली की कानून व्यवस्था को शामिल न किए जाने पर आलोचना करते हुए कहा कि इनका संकल्प पत्र झूठ का पुलिंदा है। भाजपा ने केवल उन्हीं पुरानी योजनाओं का वादा किया है, जिन्हें पूरा करने में वे विफल रहे हैं। केजरीवाल ने यह भी दावा किया कि भाजपा के घोषणापत्र में कहा गया है कि मोहल्ला क्लीनिक बंद कर दिए जाएंगे। हम पूरी दिल्ली में जाकर लोगों से पूछेंगे कि क्या वे मोहल्ला क्लीनिक चाहते हैं या नहीं।

जदयू पार्टी नहीं, तीन-चार लोगों का गैंग: राजद

राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने जदयू पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह पार्टी अब तीन-चार लोगों का गैंग बनकर रह गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब अचेत अवस्था में हैं। जनता को यह जानने का हक है कि उनके स्वास्थ्य की सही स्थिति क्या है। उनका स्वास्थ्य बुलेटिन सार्वजनिक किया जाना चाहिए। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को ऐसी स्थिति में पहुंचाने वाले लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके खाने-पीने में कोई मिलावट की गई है? क्या उनके ब्लड सैंपल की जांच होनी चाहिए? ये सवाल जनता के बीच गंभीर चिंता का विषय हैं। निजी स्कूल के प्राचार्य को गोली मारे जाने की घटना का जिक्र करते हुए राजद प्रवक्ता ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार में क्राइम आउट ऑफ कंट्रोल हो गया है। अपराधियों का शिकंजा इतना कस गया है कि कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करता। सुबह घर से निकलने वाले व्यक्ति की शाम तक सुरक्षित वापसी पर संशय रहता है। उन्होंने कहा कि राज्य में दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं और यह साबित करता है कि अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

आप और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तीखी आलोचना करते हुए शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मिलीभगत का आरोप लगाया और आप को भाजपा की बी टीम बताया। एक प्रेस कार्यक्रम में बोलते हुए, रमेश ने अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बीच संबंध का जिक्र करते हुए ये आरोप लगाया। रमेश ने कहा कि भाजपा और आप एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उनमें कोई अंतर नहीं है। हम आम आदमी पार्टी और बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि आप बीजेपी की बी टीम है। आप और बीजेपी के बीच मिलीभगत है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि अन्ना हजारे आंदोलन की शुरुआत किसने की? उन्हें प्रेरणा कहां से मिली? इसके पीछे आरएसएस का हाथ था। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन का गठन किया गया था। उन्होंने कहा कि शीला दीक्षित सरकार ने दिल्ली के विकास के लिए काम किया। पिछले दस वर्षों में हमने केवल जुमले और घोषणाएँ देखीं। अरविंद केजरीवाल झूठ बोलकर

दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ''रिपोर्ट'' का हवाला देते हुए दिल्ली की पूर्व की अरविंद केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और दावा किया कि तीन अस्पतालों के निर्माण में 382 करोड़ रुपये अधिक का घोटाला हुआ। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इसी 'घोटाले' के कारण कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश नहीं करने दिया गया। साथ ही माकन ने कहा कि केजरीवाल को 'राष्ट्र विरोधी' कहने के अपने बयान पर वह कायम हैं और यह उनकी निजी राय है। उन्होंने केजरीवाल द्वारा अतीत में कुछ विपक्षी नेताओं से माफी मांगे जाने का हवाला देते हुए दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री 'थूक कर चाटने के विश्व चैम्पियन' हैं। विधानसभा चुनाव से करीब दो सप्ताह पहले माकन द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) और उसके संयोजक तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर लगाए गए आरोपों पर फिलहाल दिल्ली के सत्तारूढ़ दल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दिल्ली में सभी 70 विधानसभा सीटों पर आगामी पांच फरवरी को मतदान होगा। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जेपीसी पर सुलगते सवाल

वक्फ बोर्ड भारतीय मुस्लिम समुदाय के धार्मिक, सामाजिक और शैक्षिक कार्यों के संचालन के लिए जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण संस्था है। इसे मुस्लिम समुदाय के संपत्तियों के प्रबंधन और उनका सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया था। हाल के वर्षों में वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली, संपत्ति प्रबंधन और पारदर्शिता को लेकर कई सवाल उठे हैं। यही कारण है कि भारतीय संसद में वक्फ बोर्डों के कार्यों की समीक्षा के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करने करने का प्रस्ताव आया।

“ हाल के वर्षों में वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली, संपत्ति प्रबंधन और पारदर्शिता को लेकर कई सवाल उठे हैं। यही कारण है कि भारतीय संसद में वक्फ बोर्डों के कार्यों की समीक्षा के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करने करने का प्रस्ताव आया।

यह समिति वक्फ बोर्डों के कार्यों की समीक्षा करेगी, उनके द्वारा संचालित संपत्तियों के बारे में जांच करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि इन संपत्तियों का उपयोग केवल मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए हो। हालांकि, इस समिति के गठन पर कुछ विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह एक राजनीतिक चाल हो सकती है, जिसका उद्देश्य वक्फ बोर्डों की स्वतंत्रता और उनका प्रभाव कम करना है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार इस समिति का उपयोग करके धार्मिक अल्पसंख्यकों के मामलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रही है। वक्फ बोर्ड के लिए गठित जेपीसी समिति और विपक्षी सांसदों का निलंबन भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। दोनों ही मुद्दे यह संकेत देते हैं कि भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद और संघर्ष एक निरंतर प्रक्रिया है। जहां एक ओर वक्फ बोर्ड के कार्यों की पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए जेपीसी समिति का गठन जरूरी हो सकता है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर उठे सवाल लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और उनकी स्वतंत्रता की आवश्यकता को उजागर करते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शुष्क भूमि विस्तार से उपजा मानवीय संकट

मुकुल व्यास

हाल के दशकों में पृथ्वी की तीन-चौथाई से अधिक भूमि स्थायी रूप से शुष्क हो गई है। जलवायु संकट के प्रभावों से जूझ रही दुनिया के लिए शुष्क भूमि का विस्तार होना नई चिंता पैदा करता है। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि 2020 तक के तीन दशकों में पृथ्वी की लगभग 77.6 प्रतिशत भूमि ने पिछले 30 साल की अवधि की तुलना में शुष्क परिस्थितियों का अनुभव किया। उन्हीं तीन दशकों में, शुष्क भूमि का विस्तार लगभग 43 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में हुआ जो अंटार्कटिका को छोड़कर पृथ्वी की सभी भूमि का 40.6 प्रतिशत हिस्सा है। इस समय सीमा के भीतर, वैश्विक भूमि का लगभग 7.6 प्रतिशत क्षेत्र शुष्कता की सीमा को पार कर गया। अधिकांश आर्द्र भू-भाग शुष्क भूमि में परिवर्तित हो गए, जिससे कृषि, पारिस्थितिकी तंत्र और उन पर निर्भर लोगों पर गहरा असर पड़ा।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि दुनिया ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश नहीं लगाती है, तो इस सदी के अंत तक आज के आर्द्र क्षेत्रों का 3 प्रतिशत अतिरिक्त क्षेत्र शुष्क भूमि में परिवर्तित हो जाएगा। वैज्ञानिकों की नई रिपोर्ट वैश्विक शुष्कता रुझान तथा भविष्य के अनुमान के बारे में सऊदी अरब के रियाद में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में प्रस्तुत की गई। यह अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त राष्ट्र भूमि सम्मेलन था। पश्चिम एशिया में यह पहली बैठक थी। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो शुष्कता के प्रभावों से व्यापक रूप से प्रभावित है। रियाद बैठक में पहली बार शुष्कता के संकट को वैज्ञानिक स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया गया। मानव-जनित जलवायु परिवर्तन इस संकट का प्राथमिक चालक है। बिजली उत्पादन, परिवहन, उद्योग और भूमि-उपयोग परिवर्तनों से होने वाले उत्सर्जन ग्रह को गर्म कर रहे हैं और वर्षा के पैटर्न, वाष्पीकरण दर और पौधों के जीवन को बदल रहे हैं। ये स्थितियां बढ़ती शुष्कता को रेखांकित करती हैं। कुल मिलाकर विश्व स्तर पर शुष्क भूमि का विस्तार हो रहा है।

2020 तक 2.3 अरब लोग यानी दुनिया की आबादी के एक-चौथाई से भी ज्यादा लोग विस्तारित शुष्क भूमि में रह रहे थे। शुष्कता से संबंधित भूमि क्षरण, जिसे मरुस्थलीकरण के रूप में जाना जाता है, मानव कल्याण और पारिस्थितिक स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है। इस दिशा में ठोस

कार्रवाई के बिना भविष्य और भी अधिक निराशाजनक हो सकता है। सबसे खराब उत्सर्जन परिदृश्यों के तहत, सदी के अंत तक पांच अरब लोग शुष्क भूमि पर रह सकते हैं। ऐसी स्थिति का मतलब होगा मिट्टी का क्षय, जल संसाधनों की कमी और मानवता के बड़े हिस्से के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का ढहना। आज दुनिया के कुछ सबसे शुष्क क्षेत्रों में पहले से ही जबरन पलायन दिखाई दे रहा है। जैसे-जैसे भूमि अनुपयोगी होती जाती है और खेती विफल होती जाती है, परिवारों और समुदायों के पास अक्सर स्थानांतरित होने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। इससे वैश्विक स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियां बढ़ती जाती हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि समस्त भूमि का पांचवां हिस्सा अचानक पारिस्थितिकी तंत्र के परिवर्तनों से गुजर सकता है। इनके प्रभावों से जंगल घास के मैदानों में बदल सकते हैं। दुनिया के कई पौधों और जानवरों की प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बारे में एक अन्य अध्ययन में दुनिया के ग्लेशियरों के समक्ष आसन्न संकट को रेखांकित किया गया है। दुनिया के कई ग्लेशियर पिछले हिमयुग के दौरान बने थे। ये ग्लेशियर हजारों सालों से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों और ध्रुवीय क्षेत्रों में विद्यमान हैं। लेकिन आने वाले समय में इस स्थिति में बड़ा बदलाव हो सकता है। एक ताजा अध्ययन से पता चलता है कि इस सदी के अंत तक दुनिया के आधे से ज्यादा ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। स्विट्जरलैंड और बेल्जियम के वैज्ञानिकों ने कार्बन उत्सर्जन के विभिन्न परिदृश्यों के तहत ग्लेशियरों की संभावित क्षति का अनुमान लगाया है।

उन्होंने पृथ्वी के सभी ग्लेशियरों को ध्यान में रखा जिनकी संख्या दो लाख है। अध्ययन से मिले आंकड़े डराने वाले हैं। यदि कार्बन का उत्सर्जन उच्चस्तर पर हुआ तो सभी ग्लेशियरों में से 54 प्रतिशत तक ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। आल्प्स में यह संख्या 75 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। पिछले साल किए गए एक अध्ययन से पता चला था कि हिमालय के ग्लेशियर भी तेजी से पिघल रहे हैं और ग्लोबल वार्मिंग के जारी रहने पर सदी के अंत तक उनके द्रव्यमान में 80 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। नए अध्ययन के मुख्य लेखक और ग्लेशियर वैज्ञानिक हैरी जेकोलारी ने कहा कि ग्लेशियर दुनिया के कई हिस्सों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मस्तिष्क सक्रिय होता है हाथ से लिखने पर

चेतनादित्य आलोक

जीवन का कम से कम एक क्षेत्र आज भी ऐसा है, जिसका पुराने रूप में यानी ‘पुराना स्कूल’ बने रहना ही बेहतर होगा और वह है- हाथ से लिखना। दरअसल, हाथ से लिखने के अनेक लाभ होते हैं, जिनमें प्रमुख रूप से लेखन एवं भाषा का कौशल और विकास शामिल हैं। जाहिर है कि मोबाइल, टैबलेट, कम्प्यूटर आदि पर टाइप करने से ये लाभ कतई नहीं मिल सकते। यही कारण है कि हस्तलेखन को मनुष्य के सबसे अद्भुत एवं प्रभावशाली खोजों में से एक माना जाता है। हालांकि, ऑनलाइन के जमाने में अब हाथ से लिखना पुरानी बात होती जा रही है। इसके बजाय लोग अब टाइप कर विचार प्रेषित करना अधिक पसंद करने लगे हैं, बल्कि अब तो लोग ‘वॉइस टाइपिंग’ यानी बोलकर लिखने का कार्य करने लगे हैं। तात्पर्य यह कि अब लिखने के लिए कागज और कलम की नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों यथा मोबाइल, टैबलेट, टाइपराइटर, कम्प्यूटर, लैपटॉप आदि की जरूरत है। आधुनिकता की इस अंधी दौ? में धीरे-धीरे लोग हाथ से लिखना-पढ़ना भूलते जा रहे हैं, जिसके कारण हाथ से लिखने की कला पर खतरा मंडराने लगा है। चिंता इस बात की अधिक है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए हाथ से लिखना कहीं इतिहास की बात होकर न रह जाए। उम्मीद थी कि स्कूलों में हाथ से लिखने-पढ़ने की प्रक्रिया बची रहेगी, परंतु वहां भी अब डिजिटलीकरण पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है।

पहले शिक्षक ब्लैक-बोर्ड पर चॉक से लिखकर बच्चों को पढ़ाते थे, जबकि आजकल वे कम्प्यूटर प्रोजेक्टर के माध्यम से स्मार्ट-बोर्ड पर पढ़ाने लगे हैं। इसी प्रकार, पहले स्कूलों में अच्छी लिखावट को प्रोत्साहित किया जाता था। परीक्षाओं में इसके लिए अलग से अंक भी निर्धारित होते थे, परंतु दुर्भाग्य से अब इस ओर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। हस्तलेखन विशेषज्ञ डॉ. मार्क सीफर का मानना है कि हस्तलेखन की क्रिया एक प्रकार की ‘ग्राफोथैरेपी’ होती है, जिसका अर्थ अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अपनी लिखावट में जागरूकतापूर्ण परिवर्तन करना होता है। मान लिया जाए कि कोई व्यक्ति कोलाहल से ऊब चुका है और वह शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहता है, तो डॉ. सीफर के अनुसार उसे प्रतिदिन अपने लक्ष्य से संबंधित विवरण को 20 बार लिखना चाहिए। वे कहते हैं कि ऐसा करने से वास्तव में व्यक्ति भीतर से शांत हो जाएगा।

एक अनुमान के मुताबिक कुल आबादी का लगभग 15 प्रतिशत लोगों में भाषा-आधारित सीखने की विकलांगता पाई जाती है, जिनमें बड़ी संख्या डिस्लेक्सिया से पीड़ित लोगों की होती है। वहीं, विशेषज्ञ मानते हैं कि हाथ से लिखना डिस्लेक्सिया से पीड़ित लोगों के लिए विशेष रूप से सहायक होता है। शैक्षणिक चिकित्सक डेबोरा स्पीयर के अनुसार कर्सिव में सभी अक्षर एक आधार रेखा पर शुरू होते हैं और कलम बाएं से दाएं की ओर तरल रूप से चलती है।

यही कारण है कि डिस्लेक्सिक छात्रों के लिए, जिन्हें शब्दों को सही ढंग से बनाने में परेशानी होती है, कर्सिव सीखना आसान होता है। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट लुइस ने टाइपिंग और मेमोरी रिटेंशन के बारे में अधिक जानने के लिए 2012 में एक अध्ययन किया और पाया कि जो छात्र कम्प्यूटर पर नोट्स टाइप करते हैं, वे 24 घंटे बाद ही महत्वपूर्ण जानकारियां भूलने लगते हैं। वहीं, हाथ से नोट्स लिखने वाले लोगों ने न केवल महत्वपूर्ण जानकारियों को एक सप्ताह बाद भी याद रखा, बल्कि सिखाई गई अवधारणाओं पर बेहतर पकड़ भी प्रदर्शित की थी। तात्पर्य यह कि हाथ से लिखने से याददाश्त बढ़ती है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि हाथ से लिखने से दिमागी शक्ति का अधिक उपयोग होता है। इंडियाना यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर कैरिन जेम्स ने एक अध्ययन में बच्चों से एक अक्षर टाइप करने, ट्रेस करने या चित्र बनाने के लिए कहा और जब बच्चे यह सब कर रहे थे तब उनकी एमआरआई की गई। गौरतलब है कि एमआरआई में हाथ से पत्र लिखने वाले बच्चों के मस्तिष्क तीन स्थानों पर चमक उठे थे। अर्थात? हाथ से पत्र लिखने से मस्तिष्क के महत्वपूर्ण तंत्रिका मार्ग जुड़े हुए थे। इसी प्रकार, 2009 में वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन प्राथमिक-आयु वर्ग के छात्रों ने कागज पर कलम से रचनात्मक कहानियां लिखीं, उनका प्रदर्शन उनके साथियों से बेहतर था।

शोधकर्ताओं के अनुसार हाथ से लिखने वाले न केवल टाइपर्स की तुलना में अपना काम तेजी से पूरा करने में सक्षम थे, बल्कि उन्होंने पूर्ण वाक्यों के साथ लंबी रचनाएं भी लिखी थीं। इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए हस्तलेखन को बढ़ावा देने और हस्तलेखन के माध्यम से व्यक्तित्व को अच्छा बनाने के उद्देश्य से भारत में वर्ष 1977 में ‘राष्ट्रीय हस्तलेखन दिवस’ की शुरुआत की गई थी। उसके बाद से प्रत्येक वर्ष 23 जनवरी को राष्ट्रीय हस्तलेखन दिवस मनाया जाता है। देश में हस्तलेखन को तेजी से प्रोत्साहित करने के लिए बच्चों में इसके प्रति रुचि पैदा करना जरूरी है। साथ ही, घरों और स्कूलों में बच्चों को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों यथा मोबाइल, टैबलेट, टाइपराइटर, कम्प्यूटर, लैपटॉप, स्मार्ट-बोर्ड आदि पर ज्यादा निर्भर होने से बचना होगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें हाथ से लिखने के लिए बार-बार और लगातार प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। चाहे इसके लिए प्रलोभनों का भी सहारा क्यों न लेना पड़े। बता दें कि हाथ से लिखने से बच्चों का शैक्षिक आधार मजबूत होता है, क्योंकि इससे उनकी याददाश्त में वृद्धि होती है और मस्तिष्कीय शक्ति का अधिक से अधिक उपयोग होने के कारण मस्तिष्क की सक्रियता भी बढ़ती है।

गणतंत्र दिवस

इस दिन लागू हुआ विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संविधान

गणतंत्र दिवस शाही शासन से भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित एक आधुनिक संवैधानिक गणराज्य के रूप में इसके पुनर्जन्म का जश्न मनाने वाला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 26 जनवरी को वार्षिक उत्सव दुनिया के सबसे बड़े लिखित लोकतांत्रिक संविधान के लागू होने का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है, जिसने एक बहुलवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी, जिसका लक्ष्य भारत की विविधता को एक समावेशी, प्रगतिशील और एकीकृत राष्ट्र के रूप में एकजुट करना है जो शांति और समृद्धि की ओर अग्रसर हो। सभी के लिए। गणतंत्र दिवस हमें नागरिकों के रूप में संवैधानिक आदर्शों और मूल्यों का समर्थन करने और सुरक्षित रखने के लिए पुनर्नवीनीकरण करता है ताकि भारत को प्रगतिशील सभीसंग की ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके।

इसका इतिहास

भारत ने लगभग 200 वर्षों तक ब्रिटिश औपचारिक शासन के तहत रहा, जिसका स्वतंत्रता से मुक्ति प्राप्त हुई 1947 में, जब महात्मा गांधी जैसे प्रमुख नेताओं के महान प्रयासों ने स्वतंत्रता संग्राम की दिशा में कार्य किया। इससे उपमहाद्वीप पर ब्रिटिश शासन का अंत हुआ। स्वतंत्र भारत के लिए स्थायी संविधान का मसौदा स्वतंत्रता के तुरंत बाद ही तैयारी शुरू हुई थी। इसे डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के नेतृत्व में बैठे संविधान सभा ने तैयार किया था। विचार-विमर्श और बहस के कई वर्षों के बाद, संविधान सभा ने 1949 में लिखित संविधान का पूरा कर लिया। इसे आधिकारिक रूप से 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया। इस संविधान ने फिर 26 जनवरी, 1950 को पूरी तरह से प्रभावी हो गया। इससे भारत को ब्रिटिश क्राउन के तहत से एक स्वराज्य में परिणाम हुआ और उसे भारतीय गणराज्य में बदल दिया, जिसमें लोकतांत्रिक सरकार है।

बच्चों को देशभक्ति के गाने याद कराएं

बच्चों को फिल्मी संगीत बहुत जल्दी याद हो जाते हैं। उनकी कविताओं या गाने की लिस्ट में देशभक्ति गानों को शामिल करें। राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत सुनाएं और याद कराएं। उन्हें इन देशभक्ति गानों के बारे में बताएं। बच्चों को देशभक्ति से जुड़ी फिल्में भी दिखा सकते हैं।

सुनाएं आजादी की कहानी

अक्सर माता पिता या घर के बड़े बच्चों को रात में सुलाने के लिए कहानियां सुनाते हैं। राजा रानी या जंगल के जानवरों की कहानी तो कई बार सुनाई होगी, लेकिन बच्चों को देश के बारे में भी बचाएं। अपनी कहानियों में स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलनों के किस्से, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और नेता जी सुभाष चंद्र बोस जैसे आंदोलन कारियों के किस्से कहानियां सुनाएं। इससे बच्चे भारत के इतिहास के बारे में भी जानेंगे और कुछ प्रेरणादायक सीख सकेंगे।

देश के संविधान का महत्व

संविधान को अपनाने से भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संघीय गणराज्य बनाया गया, जिसे लोकतांत्रिक रूप से शासित किया जाता है। भारतीय संविधान ने सभी नागरिकों को धर्म, वर्ग, जाति या लिंग की परवाह किए बिना वोट देने के अधिकार की गारंटी देते हुए सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को संस्थागत बनाया। यह अग्रणी था, क्योंकि उस समय 20 से भी कम देशों के पास सार्वभौमिक मताधिकार था। अन्य प्रमुख संवैधानिक अधिकारों ने सार्वजनिक स्थानों पर समान पहुंच की गारंटी दी और साथ ही अस्पृश्यता और बंधुआ मजदूरी को समाप्त कर दिया। इसलिए यह तारीख सभी भारतीय नागरिकों के लिए सामाजिक समानता और समान अवसर के नागरिक अधिकारों को लागू करने का प्रतीक है। इसने सभी के लिए समानता और सामाजिक न्याय पर आधारित लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से शासन करने की भारत की शानदार प्रतिबद्धता को चिह्नित किया।

हंसना मना है

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से पूछा, तुम्हें खुशी मिलती है जब मैं रोती हूं? उसने जवाब दिया, नहीं, मुझे उस वक्त खुशी मिलती है। जब तुम मुझे रोते हुए फोटो भेजती हो!

बेटा- 6 और 7 पापा! बाप- शाबाश बेटा मेरा तो बहुत इंटेलीजेंट है उसके बाद! बेटा- 8, 9, 10, बाप- और उसके बाद? बेटा- और उसके बाद गुलाम, बेगम और बादशाह!

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मैनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए।

टीचर- एक टोकरी में 10 आम है , उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे? संजू- सर, 10 आम, टीचर- वो कैसे? संजू - सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना, केले तो बन नहीं जायेंगे, आज संजू एक वकील है।

पत्रकार- 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

कहानी | मां की महिमा

एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से सवाल किया, दुनिया में मां की महिमा इतनी क्यों है और इसका कारण क्या है? इस सवाल को सुनने के बाद स्वामी जी के चेहरे पर मुस्कान फैल गई। इस सवाल का जवाब देने के लिए उन्होंने उस व्यक्ति के सामने एक शर्त रखी। विवेकानंद की शर्त के अनुसार उस व्यक्ति को 5 किलो के पत्थर को एक कपड़े में लपेट कर उसे अपने पेट पर 24 घंटे तक बांधना था और फिर स्वामी जी के पास जाना था। इसके बाद उसे अपने सवाल का जवाब मिलना था। स्वामी जी के कहे अनुसार उस व्यक्ति ने एक पत्थर को अपने पेट पर बांधा और वहां से चला गया। अब उसे पत्थर बांधे-बांधे ही अपना सारा दिनभर का काम करना था, लेकिन उसके लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। पत्थर के बोझ के कारण वह जल्दी थक गया। दिन तो जैसे-तैसे गुजर गया, लेकिन शाम होते-होते उसकी हालत खराब हो गई। जब उससे रहा नहीं गया, तो वह सीधा स्वामी जी के पास गया और बोला, स्वामी जी मैं इस पत्थर को ज्यादा समय तक बांधकर नहीं रख सकता। सिर्फ एक सवाल का जवाब जानने के लिए मैं इतना कष्ट नहीं सह सकता। उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, तुम 24 घंटे भी पत्थर का भार संभाल नहीं सके और मां अपनी कोख में बच्चे को नौ महीने तक रखती है और सभी तरह के काम करती है। इसके बाद भी उसे जरा भी थकान महसूस नहीं होती। इस पूरे संसार में मां जैसा और कोई नहीं है, जो इतना शक्तिशाली और सहनशील हो। मां तो शीतलता और सहनशीलता की मूरत है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कोई नहीं है।

कहानी से सीख: स्वामी विवेकानंद जी इस कहानी के माध्यम से लोगों को यह सीख देना चाहते थे कि इस संसार में मां जितना धैर्यवान और सहनशील कोई और नहीं है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कुछ नहीं हो सकता।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ

पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। प्रमाद न करें। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मिथुन

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कर्क

आज परिवारजनों संग तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। धार्मिक सत्संग का लाभ मिलेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। बाहरी व्यक्तियों की या दूसरों की जवाबदारी न लें।

सिंह

व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

तुला

व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। फालतू खर्च होगा।

वृश्चिक

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। जल्दबाजी न करें।

धनु

नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। धन लक्ष्मी की प्राप्ति होगी। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

मकर

भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी।

मीन

समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी।

साउथ की फिल्में करने से कतरा रही हैं सामंथा प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी बार विग्नेश शिवन की तमिल फिल्म काथुवाकुला रेंदु काधल में देखा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में नजर आईं। लेकिन सामंथा को जाने क्या हो गया है कि वह अब साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं। हालांकि, उनकी फिल्म रक्त ब्रह्मांड चर्चा में जरूर है। सामंथा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रक्त ब्रह्मांड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं।

सामंथा रूथ प्रभु की पिछले साल सिटाडेल हनी बनी आई थी। इस सीरीज में सामंथा बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ जमकर एक्शन करती नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में, सामंथा ने खुलासा किया कि वह अपनी भूमिकाओं को लेकर काफी सेलेक्टिव रही हैं। यही वजह है कि वह ऐसी भूमिकाओं को टाल रही हैं, जो उन्हें चुनौती नहीं देती हैं।

सामंथा ने तमिल फिल्में साइन ना करने का कारण बताते बुए कहा, कई फिल्में करना आसान है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस मुकाम पर हूं, जहां हर फिल्म को ऐसा महसूस होना चाहिए कि यह आखिरी है। फिल्म में उस तरह का प्रभाव होना चाहिए। यही वजह है कि मैं खुद को इस तरह की फिल्म करने के लिए तैयार नहीं कर सकती। सामंथा की आखिरी तमिल फिल्म 2022 की काथुवाकुला रेंडु काधल थी।

सामंथा ने द फैमिली मैन 2, सिटाडेल हनी बनी के साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया है और हाल ही में, वह रक्त ब्रह्मांड में दिखाई देने वाली हैं। सामंथा का कहना है कि इन प्रोजेक्ट में उन्हें कुछ अनोखा करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, अच्छे कारण से वे (राज और डीके) ही हैं, जिन्होंने मुझे अधिक से अधिक चुनौतियों की चाहत के साथ बिगाड़ा है। जब मैं हर दिन काम पर जाती हूं, तो एक अभिनेता के रूप में किसी भूमिका को इतना अधिक देना बेहद संतोषजनक होता है। और अगर मुझे हर दिन वह एहसास नहीं होता है, तो मैं काम पर नहीं जाना चाहती।

बीमारी के कारण लंबे ब्रेक के बाद इस सीरीज ने सामंथा की वापसी ठीक ठाक रही। सामंथा ने एक्शन सीरीज में हनी का किरदार निभाया था और वरुण धवन ने बनी का किरदार निभाया था। 6 नवंबर को प्राइम वीडियो पर शुरू हुई यह सीरीज प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन अभिनीत यूएस रूपांतरण सिटाडेल का प्रीक्वल है। सामंथा इन दिनों राज और डीके की फंतासी एक्शन सीरीज रक्त ब्रह्मांड - द ब्लडी किंगडम में दिखाई देंगी। इस फिल्म में सामंथा के अलावा आदित्य रॉय कपूर, वामिका गब्बी, अली फजल और निकितिन धीर नजर आएंगे।

सारा अली खान संग रिस्ते में अर्जुन बाजवा ने तोड़ी चुप्पी, कहा-

लोगों को जो लिखना है, वे लिखेंगे

सारा अली खान की लव लाइफ तब से चर्चा में है, जब से उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत के साथ केदारनाथ में डेब्यू किया था। पिछले साल उनके अभिनेता और मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ डेटिंग करने की अफवाह उड़ी थी। उन्हें केदारनाथ में उनके साथ देखा गया था। अब, एक साल बाद अर्जुन ने डेटिंग अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए कहा, लोगों को जो लिखना है, वे लिखेंगे।

हाल ही में एक साक्षात्कार में अर्जुन ने चल रहीं अफवाहों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि यह उनका काम है, जबकि वह सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तो, लोगों को जो भी लिखना है, वे लिखेंगे। यह उनका काम है। वे अपना काम कर रहे हैं। मैं सिर्फ अपने आप पर और मुझे क्या करना है, इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं और यह वास्तव में मुझे परेशान नहीं करता है। इस बीच सारा ने अभी तक डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

प्रताप बाजवा पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और राजनीतिज्ञ फतेह सिंह बाजवा के बेटे हैं। वह सिंह इज ब्लिंग में सहायक थे और उन्होंने बैंड ऑफ महाराजा फिल्म में काम किया है। अभिनेता और मॉडल होने के अलावा, वह फिटनेस के भी शौकीन हैं। वह एक प्रशिक्षित एमएमए फाइटर हैं।

इस बीच सारा अली खान वीर पहाड़िया के साथ अपने पिछले रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

बढ़ती उम्र के कारण महिलाओं के साथ होता है भेदभाव : मनीषा

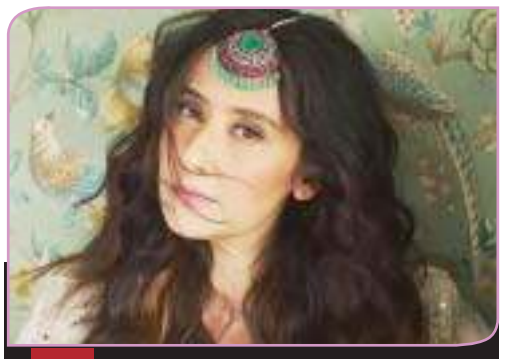

अपनी दमदार अदाकारी से हर किसी को अपना दीवाना बनाने वाली मनीषा कोइराला ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी हैं। उन्हें हाल ही में, संजय लीला भंसाली की हीरामंडी में मल्लिकाजान के रोल में देखा गया था। 54 साल की मनीषा कोइराला ने एक इंटरव्यू में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में बढ़ती उम्र के कारण महिलाओं को होने वाली समस्याओं पर खुलकर बात की है। मनीषा कोइराला कहती हैं, चाहे वो फिल्म इंडस्ट्री हो या फिर कोई अन्य जगह, उम्र बढ़ना महिलाओं के लिए एक मुद्दा है। हमें अपनी बढ़ती उम्र पर शर्मिंदा होना पड़ता है। मैंने किसी ट्रोल्स को किसी पुरुष को यह कहते हुए नहीं सुना कि वह बूढ़ा हो गया है। लेकिन बहुत सारी महिलाओं को ट्रोल किया जाता है। बढ़ती उम्र का असर महिलाओं पर पुरुषों की तुलना में ज्यादा होता है। मुझे कई राउंड टेबल कन्वर्सेशन से साइडलाइन कर दिया जाता है और इसके पीछे का कारण बताते हुए कहा जाता है कि ओह, यह सर्टेन एज ग्रुप के बारे में था। फिर मैंने पूछा, अगर हमारे साथ के पुरुष कलीग भी उसी एज ग्रुप के होते, या फिर उससे ज्यादा के होते तो क्या वो अच्छा काम करते? क्या उन्हें इस राउंड टेबल कन्वर्सेशन से अलग रखा जाता। सच ये है कि ऐसा नहीं होता। मैंने कम से कम दो से तीन राउंड टेबल कन्वर्सेशन में देखा है। बढ़ती उम्र के कारण मुझे साइडलाइन कर दिया जाता है। इसका हम पर काफी असर पड़ता है। वो अधिक उम्र के एक्टर को नहीं रखना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा उम्र की एक्ट्रेस को तो बिल्कुल ही नहीं रखना चाहते। आगे मनीषा कोइराला कहती हैं, हमें ये मिथक तोड़ना होगा की 50 के बाद एक्ट्रेस काम नहीं कर सकती। 50 के बाद भी एक्ट्रेस अच्छा काम कर सकती है। हम अब भी एक अच्छी जिंदगी जी सकते हैं। हम अब भी बेहद खुश और एक हेल्दी लाइफ जी सकते हैं। मैं जब तक जीवित हूं, मैं काम करना चाहता हूं और स्वस्थ रहना चाहती हूं। मैं अच्छा दिखना चाहता हूं। यही मेरा मोटो है। बहुत से लोग कहते हैं बूढ़ी हो गई है, वह किस तरह का काम कर सकती है? या फिर उन्हें कोई मां या बहन का रोल दे सकते हैं। लेकिन महिलाएं भी दमदार रोल कर सकती हैं।

16वीं शताब्दी का वह किला, जहां आज भी भटकती है एक नर्तकी की आत्मा

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश को देव भूमि के नाम से जाना जाता है, लेकिन यहां की कहानियां भी उतनी ही दिलचस्प हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही अनोखे किस्से के बारे में बताएंगे जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। यह किस्सा कांगड़ा जिले के नूरपुर का है, जो 16वीं शताब्दी के अंत में बना था और आज भी चर्चा में रहता है। इस ऐतिहासिक किले का नाम है 'नूरपुर किला', जिसे पहले धामड़ी किले के नाम से जाना जाता था। इस किले का निर्माण पठानकोट के शासक राजा बसु देव ने करवाया था। बाद में इस किले में कई और निर्माण हुए। मुगल बादशाह जहांगीर की प्रिय पत्नी नूरजहां जब पहली बार यहां आई, तो धामड़ी का नाम बदलकर नूरपुर रख दिया गया। नूरजहां को यह किला और यहां का प्राकृतिक सौंदर्य बहुत पसंद आया था और वह नूरपुर छोड़कर जाना नहीं चाहती थीं। नूरी की आत्मा की कहानी यह किला नर्तकी 'नूरी' की याद दिलाता है। नूरी का नाम नूरजहां से प्रेरित होकर रखा गया था। किंवदंती है कि नूरी नूरजहां से भी ज्यादा खूबसूरत थी, जिससे नूरजहां जलती थी। नूरजहां को डर था कि नूरी अपनी सुंदरता से ज्यादा प्रसिद्ध हो जाएगी, इसलिए उसने नूरी को महल में परफॉर्म नहीं करने दिया। कहा जाता है कि नूरी के पायल की आवाज जब महल में गूंजती थी, तो आसपास के लोग मंत्रमुग्ध हो जाते थे। नूरी नाचने के साथ-साथ गाने में भी माहिर थी। बेगम नूरजहां को उसका गाना बहुत पसंद था, लेकिन उसकी खूबसूरती से जलती थी। नूरजहां को शक हुआ कि नूरी अपनी सुंदरता से जहांगीर को लुभा सकती है, इसलिए उसने नूरी की जीभ कटवा दी। तब से यह किला सुनसान पड़ा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यहां आज भी नूरी की आत्मा भटकती है। स्थानीय निवासियों की राय स्थानीय निवासी रमेश कुमार का कहना है कि उन्होंने अपने परिवारजनों से सुना है कि आज भी किले में नूरी की आत्मा भटकती है, इसलिए रात के समय किले की तरफ नहीं जाते।

अजब-गजब | भारत के इस गांव में पड़ती है सूरज की पहली किरण

यहां सुबह तीन बजे ही पहुंच जाती है सूरज की रोशनी

आज हम आपको अरुणाचल प्रदेश के उस गांव का नाम बताएंगे, जहां पहुंचती है सबसे पहली धूप। साथ ही साथ यह भी बताएंगे कि वहां पर सूर्योदय और सूर्यास्त कब होता है। यकीन मानिए, जब आप यह जानेंगे तो आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। भारत में जिस स्थान पर सूरज की पहली किरण पड़ती है, उस गांव का नाम डोंग है। यह अरुणाचल प्रदेश का एक छोटा सा गांव है जो भारत, चीन और म्यांमार के ट्राय-जंक्शन पर स्थित है। आप इसे उत्तर-पूर्वी छोर पर स्थित भारत का पहला गांव भी कह सकते हैं। भारत में सबसे पहला सूर्योदय इसी गांव में होता है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गांव में सुबह तीन बजे तक सूरज की रोशनी पहुंच जाती है, यानी जब दिल्ली, मुंबई समेत देश के ज्यादातर हिस्सों के लोग गहरी नींद में होते हैं तो सूरज की पहली किरण डोंग वैली पर पड़ती है। सुबह 4 बजे तक यह पूरी तरह से रोशन हो जाता है और उसी समय से यहां के लोग अपने रोजमर्रा के काम में व्यस्त हो जाते हैं।

इतना ही नहीं, डोंग गांव में केवल 12 घंटे का दिन होता है। दोपहर के चार बजे, जब देश के अन्य हिस्सों में लोग चाय की तैयारी कर रहे होते हैं, तब इस गांव में रात हो जाती है। लोग उस समय रात के खाने और सोने की तैयारी भी करने लगते हैं। डोंग गांव प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है। यह लगभग 1240 मीटर की ऊंचाई पर लोहित नदी और सती नदी के संगम पर स्थित है। यह गांव भारत की सीमा पर चीन और म्यांमार से सटा हुआ है। इस गांव की आबादी सिर्फ 35 लोगों की है। ये सभी झोपड़ियों में रहने वाले 3-4 परिवारों के ही सदस्य हैं। अरुणाचल प्रदेश के PWD विभाग ने पास के वालोंग गांव में टूरिस्ट्स के रहने के लिए छोटी-छोटी झोपड़ी बना दी हैं, जिसके बाद अब यह देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। सूरज की पहली किरण देखने के लिए कई पर्यटक इस गांव में आते हैं। वे गांव की एक चोटी पर खड़े होकर सूर्योदय का आनंद लेते हैं।

बता दें कि सूर्योदय के मामले में इस गांव की चर्चा पहली बार 1999 में हुई थी। इसके पहले तक यह माना जाता था कि भारत में सूर्य की पहली किरणें अंडमान के कंचल द्वीप पर पड़ती थीं। बाद में पता चला कि सूर्योदय सबसे पहले अरुणाचल प्रदेश की डोंग वैली में होता है, अंडमान में नहीं। इसके बाद यहां पर्यटकों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच के शौकीन लोगों का तांता लगना शुरू हो गया।

इस गांव के सभी लोग खेती से जुड़े हैं। वे गांव में आने वाले टूरिस्ट्स को भोजन, नाश्ता और फल बेचकर अपनी जिंदगी गुजारते हैं। डोंग वैली में फिलहाल सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में टूरिस्ट सुबह की पहली किरण देखने के लिए ही यहां आते हैं और गांव में कुछ घंटे बिताने के बाद वालोंग गांव लौट जाते हैं। अरुणाचल प्रदेश सरकार अब इस क्षेत्र को विकसित करने में जुटी है। वालोंग वह गांव है, जहां भारत और चीन के बीच 1962 का भीषण युद्ध हुआ था। उस युद्ध के बाद से इस क्षेत्र में भारत की मजबूत सैन्य उपस्थिति है। वालोंग में पर्यटकों के लिए आवास और भोजन की सुविधा है। उल्लेखनीय है कि वालोंग से 8 किमी की ट्रैकिंग करके डोंग गांव पहुंचा जा सकता है। डोंग घाटी के निकट किबिथू गांव में पूर्वी भारत की अंतिम सैन्य छावनी है। फिर इसके बाद चीन का इलाका शुरू हो जाता है।

नशे के सामान बेचने के ठेके बीजेपी नेताओं के पास : दिग्विजय सिंह

» बोले- स्मैक बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाये मोहन सरकार

» 'वन नेशन, वन इलेक्शन' किसी भी फेडरल व्यवस्था में नहीं है संभव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मध्य प्रदेश में धार्मिक स्थलों के पास शराब बिक्री को बंद कर दिये जाने वाले सरकारी आदेश पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा है कि वहां स्मैक की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। दिग्विजय के मुताबिक नशे के सामान बेचने के ठेके बीजेपी नेताओं के पास है और वह खुले आम बिक्री कर रहे हैं। सम्पूर्ण शराब बंदी पर उन्होंने कहा कि जहां कही इस तरह के फैसले लिये गये हैं वह फेल हुए हैं। बिहार में भी शराब बंदी है लेकिन वहां होम डिलेवरी पर शराब के साथ दूसरे सभी सामान आसानी से उपलब्ध हैं।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य के 17 धार्मिक क्षेत्रों में शराबबंदी किए जाने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य के धार्मिक स्थलों पर की गई शराबबंदी के सवाल पर कहा कि हम धार्मिक स्थलों का सम्मान करते हैं, लेकिन उसके साथ दूसरी बातें भी हैं, धार्मिक स्थलों पर स्मैक नहीं बिकना चाहिए, जुआ-सट्टा नहीं होना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के नाते-रिश्तेदार जो ठेके लेते हैं, उन्हें इस पर भी सोचना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि शराबबंदी के देश में बहुत प्रयोग हुए हैं। वर्तमान में गुजरात और बिहार में शराबबंदी है। लेकिन, सबसे ज्यादा आसान और सबसे अच्छी व्यवस्था शराब पीने वालों के लिए गुजरात तथा बिहार में है। वहां होम डिलीवरी हो जाती है। होम डिलीवरी के साथ अन्य जरूरत के सामान भी मिल जाते हैं। देश में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की चल रही कवायद के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' किसी भी फेडरल कॉन्स्टिट्यूशन में संभव नहीं है। पांच सालों के लिए सरकार चुनी जाती है। अगर वह सरकार बहुमत खो देती है, तो मध्यावधि चुनाव कराने होते हैं तो कैसे 'वन नेशन, वन इलेक्शन' किया जा सकता है।

शराबबंदी के देश में हो चुके हैं बहुत प्रयोग

जय बापू, जय भीम रैली की तैयारी

कांग्रेस के इंदौर के महू में 27 जनवरी को 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान' के तहत रैली का आयोजन किया गया है। इस रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के तमाम बड़े नेता हिस्सा लेने वाले हैं। इस रैली की तैयारी के सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इंदौर पहुंचे।

बंजर जमीन पर शव दफनाने को लेकर विवाद

» प्रशासन बोला- जमीन गौशाला के लिए चिन्हित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। स्थानीय कस्बे में एक सत्तर वर्षीया महिला के शव को दफ़नाने के लिए खोदी जा रही कब्र की जमीन पर विवाद हो गया। जानकारी के अनुसार हलियापुर-बेलवाई मार्ग पर स्थित कब्रिस्तान के पास जब कब्र खोदे जाने की जानकारी नगर पंचायत को हुई तो अधिशाषी अधिकारी सचिन पांडेय, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रमेश सोनकर एवं अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे।

उन्होंने कब्र वाली जगह को बंजर बताते हुए कब्र को पास स्थित कब्रिस्तान के नाम पर दर्ज जमीन में दफ़नाने की बात कही। अधिशाषी अधिकारी ने यह भी बताया कि कस्बे में कुल आठ कब्रिस्तान मौजूद है, इस स्थान पर पहले शव दफनाए जाते थे, चकबंदी में शव दफनाने के लिए दूसरी जगह जमीन दी जा चुकी है, आज जहाँ कब्र खोदी जा रही थी वहां पर कान्हा गौशाला के शेड का निर्माण होना है। मामले की सूचना पाकर मौके पर नायब तहसीलदार प्रदीप मिश्र, राजस्व निरीक्षक और लेखपाल भी पहुंचे।

पुलिस की दखलअंदाजी के बाद मामला सुलझा

वही दूसरी तरफ कुछ व्यक्ति इस विवाद को तूल पकड़ाते हुए नजर आये, लेकिन थाना प्रभारी दोस्तपुर पंडित त्रिपाठी ने सूझ-बूझ से काम लेते हुए लोगों को समझा बुझा कर मामले को शांत करते हुए शव के अंतिम संस्कार के लिए राजी कर लिया, परिजनों ने दोपहर की नमाज के बाद मृतका के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

राजकोष को ढाई हजार करोड़ की क्षति, गंभीर भ्रष्टाचार की संभावना

» आजाद अधिकार सेना ने की जांच की मांग, सीएम को भेजी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह द्वारा मेसर्स मारुति एजुकेशनल ट्रस्ट बनाम यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण मामले में पारित आदेश की जांच की मांग की है। सीएम योगी आदित्यनाथ को भेजी अपनी शिकायत में उन्होंने कहा है कि यमुना एक्सप्रेसवे ने वर्ष 2009 में 25-250 एकड़ योजना के तहत 1629 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से भूमि आवंटन किया था। वर्ष 2017 में भूमि आवंटन की दर का परीक्षण करते हुए इसे 2670 रुपए प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किया गया और इस संबंध में 13 अवंतियों को 1041 रुपए प्रति वर्ग मीटर का अतिरिक्त भुगतान करने के नोटिस जारी किए गए।

इस संबंध में मेसर्स मारुति एजुकेशनल ट्रस्ट ने कथित रूप से एक पुनरीक्षण याचिका दायर किया, जिस पर मनोज कुमार सिंह ने 28 अगस्त 2024 के अपने आदेश द्वारा बढ़े हुए दर को खारिज करते हुए 1629 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर को सही घोषित कर दिया। इससे मैसेज मारुति एजुकेशनल को लगभग 200 करोड़ रुपए का लाभ हुआ और सभी 13 आवंटियों को मिलाकर प्रदेश के राजकोष को लगभग ढाई हजार करोड़ रुपए की क्षति हुई।

आंध्र में राजनीतिक संशय पैदा करने वाला इस्तीफा

पूर्व सीएम जगन के करीबी विजयसाई ने राजनीति को कहा अलविदा

» पूर्व मुख्यमंत्री वाईएसआर के बेटे हैं विजयसाई

» राज्यसभा से भी दिया त्यागपत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के राज्यसभा सदस्य और पार्टी महासचिव वी विजयसाई रेड्डी ने शुक्रवार को हैरानी भरा कदम उठाते हुए राजनीति छोड़ने की घोषणा की और कहा कि वह 25 जनवरी को अपनी संसद सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। संसद के उच्च सदन में पार्टी के नेता रेड्डी ने कहा कि वह किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल नहीं हो रहे हैं। शनिवार को राज्यसभा से भी इस्तीफा दे दिया।

रेड्डी वर्तमान में आंध्र प्रदेश से राज्यसभा सदस्य के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पार्टी के प्रमुख व्यक्तियों में से एक रेड्डी ने कहा कि वह वाईएस परिवार के ऋणी हैं, जिन्होंने चार दशकों और तीन पीढ़ियों तक उनका साथ दिया। रेड्डी (67) ने कहा, लगभग नौ वर्ष तक मेरा उत्साहवर्धन करने, मुझे अपार शक्ति और साहस देने तथा तेलुगु राज्य में मुझे पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का विशेष धन्यवाद। संसदीय दल के नेता के रूप में राज्यसभा में फ्लोर लीडर के रूप में, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में, मैंने पार्टी और राज्य के हितों के लिए ईमानदारी से और अथक परिश्रम किया है। मैंने केंद्र और राज्य के बीच एक सेतु का काम किया है।

छोड़ रहा हूं राजनीति : विजयसाई

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं राजनीति छोड़ रहा हूं। मैं कल (जनवरी) 25 तारीख को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं होऊंगा। मैं किसी पद, लाभ या पैसे की उम्मीद में इस्तीफा नहीं दे रहा हूं। यह फैसला पूरी तरह से मेरा निजी है। मुझ पर कोई दबाव नहीं था। किसी ने मुझे प्रभावित नहीं किया।

दूसरे टी20 से पहले भारत को लगा बड़ा झटका

» आज विजयी अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। आज भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 मैच खेला जाना है। दोनों टीमें चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भिड़ेंगी। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम विजयी अभियान जारी रखने उतरेगी। वहीं इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। भारत के विस्फोटक युवा ओपनर अभिषेक शर्मा चोटिल हो गए हैं। अभिषेक का दूसरा टी20 खेलना मुश्किल है। बता दें कि अभिषेक शर्मा अभ्यास के दौरान चोटिल हुए हैं। उनका एंकल ट्विस्ट हो गया है।

वह काफी दर्द में दिखे। चोट लगने से वह चल भी नहीं पा रहे थे। अभिषेक पहले टी20 में भारत की जीत के हीरो रहे थे। बता दें सेलेक्टर्स ने इस सीरीज में सिर्फ दो ओपनर को ही चुना है। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के अलावा 15 सदस्यीय टीम में कोई ओपनर नहीं है। ऐसे में तिलक वर्मा को पारी की शुरुआत करना पड़ सकता है। तिलक तीन नंबर पर खेलते हैं। इसके अलावा ध्रुव जुरेल भी एक ऑप्शन हैं। हालांकि, जुरेल ने सिर्फ घरेलू क्रिकेट में पारी की शुरुआत की है। उन्हें आईपीएल में ओपनिंग करते नहीं देखा गया है। वहीं कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर स्पिन और तेज गेंदबाज दोनों को मदद मिली, लेकिन चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर स्पिनरों का दबदबा रहता है। ऐसे में अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती जैसे तीन स्पिनर के साथ उतर सकती है। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में प्रभावित किया था और वह इस प्रारूप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज बने थे। उनका भी प्लेइंग-11 में रहना तय है। हालांकि, नीतीश रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर में से किसी एक को ही टीम में जगह दी जा सकती है।

अभिषेक शर्मा अभ्यास के दौरान हुए चोटिल

शमी को मिल सकती है एकादश में जगह

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत कोलकाता में जीत के साथ की थी। माना जा रहा था कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आखिरकार 14 महीने बाद भारतीय जर्सी में लौटने में सफल होंगे, लेकिन उन्हें कोलकाता में प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया। शमी के नहीं खेलने से एक बार फिर उनके फिटनेस को लेकर अटकलें लगना शुरू हो गई थी। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी, लेकिन यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। भारत को हालांकि पहले मैच में इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज की कमी नहीं खली थी। अगर शमी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए फिट हो जाते हैं तो उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी की जगह टीम में लिया जाएगा।

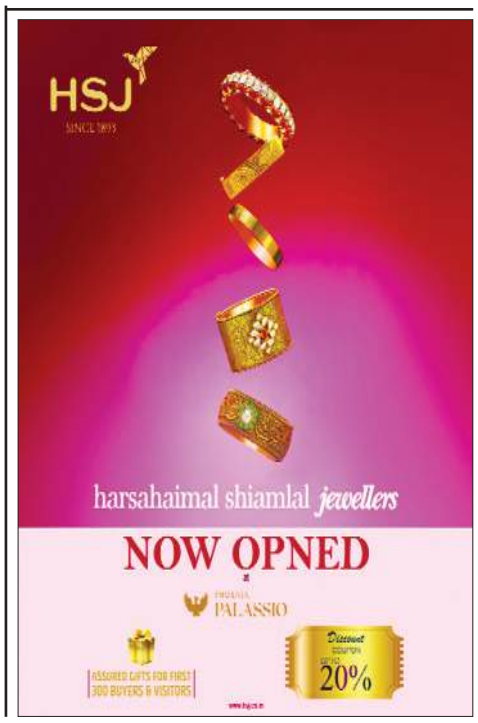

न खाता, न बही, अशोक सिंह जो करें वही सही

शासन की ट्रांसफर नीति ठेंगे पे, महज 1 वर्ष में फिर लखनऊ वापसी

» नगर निगम के विवादित अधिकारी अशोक सिंह पर क्यों नहीं लागू हो रही जीरो टारलेंस नीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम कार्य संस्कृति एक बार फिर तार–तार हुई है। हम आप को बता दें कि बड़ी–बड़ी बातों और ट्रांस्पेरेंस नीतियों के बीच नगर निगम के विवादास्पद अधिकारी अशोक सिंह की दोबारा से एंट्री हो चुकी है। आखिर क्या कारण है कि महज एक वर्ष में ही उन्हें अलीगढ़ से लखनऊ बुला लिया गया।

क्या लखनऊ नगर निगम में अधिकारियों की कमी है? क्या कोई दूसरा अधिकारी अशोक सिंह की तुलना में काम नहीं कर पा रहा है या फिर यहां कोई दूसरा तंत्र काम कर रहा है। आखिर क्या कारण है कि अशोक सिंह लखनऊ नगर निगम से दूर कहीं जाना ही नहीं चाहते। गौरतलब है कि 14 वर्षों के लगातार लखनऊ प्रवास के बाद अशोक सिंह का लखनऊ से बाहर ट्रांसफर हुआ था। लेकिन एक वर्ष में ही अशोक सिंह ने जुगाड़ लगा कर दोबारा से लखनऊ में ट्रांसफर करवा लिया।

कई सालों से नगर निगम में जमे हैं अशोक सिंह

जरा ध्यान दें...

अशोक सिंह जुलाई 2007 में कर निर्धारण अधिकारी लखनऊ नगर निगम बनें। महज एक माह के भीतर उन्हें लखनऊ के जोन 3 का जोन अधिकारी बना दिया गया। फिर मार्च 2011 में लखनऊ जोन 6 के जोन अधिकारी बना दिये गये। 2012 में उन्हें गाजियाबाद भेजा गया जहां से महज 2 वर्ष के भीतर ही वह लखनऊ नगर निगम में वापस आ गये। वर्ष 2014 में उन्हें लखनऊ नगर निगम जोन 1 का जोनल अधिकारी बना दिया गया। बड़ी मुश्किल से 2023 में अलीगढ़ ट्रांस्फर हुआ और एक वर्ष में ही वह दोबारा से लखनऊ वापस आ गये।

ज्यादा कुछ लिखने की जरूरत नहीं

अशोक सिंह के बारे में ज्यादा कुछ लिखने की जरूरत नहीं। आंकड़े आपने आप गवाही दे रहे हैं कि वह कितने पॉवरफुल है। उनके आगे किसी की नहीं चलती। वह अपने लिए कानून खुद बनाते हैं। शासन नीति अशोक सिंह पे नहीं लागू होती एक साल पहले लखनऊ से अलीगढ़ ट्रांसफर हुआ उसके एक साल बाद फिर से लखनऊ नगर निगम मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पद पर वापसी हो गई । शासनादेश भी ये कहता है कि जिस व्यक्ति के तीन साल का कार्यकाल पूरा हो चुका हो उसी का स्थानांतरण किया जाए। पर अशोक सिंह ने अपने मजबूत पकड़ के चलते शासन से फिर एक साल के भीतर ही अपना ट्रांसफर लखनऊ नगर निगम करा लिया।

अपने लिए खुद कानून बनाते हैं अशोक सिंह

विवादों से घिरे रहते हैं अशोक सिंह

लखनऊ नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह लगातार विवादों में बने रहे हैं। अशोक सिंह के लिए सभी नियम कायदे भी कोई मायने नहीं रखते हैं। वो जो चाहते हैं, करते हैं। यही वजह है कि वो जोन 3 के जोनल भी रह चुके हैं। आलम तो ये है कि अशोक सिंह कई सालों से नगर निगम में जमे है। इतना ही नहीं अशोक सिंह ने अपनी सेवाकाल के अधिकांश वर्ष नगर निगम लखनऊ में ही बिता दिए। उनपर पर सीधे आरोप लगे हैं कि वह खुद नगर निगम कर्मचारियों के ट्रांसफर में बड़ा खेल करते हैं और अपने चाहने वालों को मनचाही जगहों पे भेज देते हैं। अशोक सिंह के कई भ्रष्टाचारी लाडले वर्षों से नगर निगम के जोनो को चूना लगा रहे हैं। अशोक सिंह एक लंबे समय से पूरे विभाग को दीमक की तरह कुतर रहे हैं, लेकिन उनके लिए कोई नियम कायदे मायने नहीं रखते हैं।

मुंबई हमले का दोषी तहव्वुर राणा लाया जाएगा भारत

» अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई हमले का दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने मामले में उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ समीक्षा याचिका खारिज कर दी है।भारत कई साल से पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था। राणा 2008 के 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों का दोषी है।

आतंकी राणा के पास भारत प्रत्यर्पित न किए जाने का यह आखिरी कानूनी मौका था। इससे पहले, वह सैन फ्रांसिस्को में उत्तरी सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय सहित कई संघीय अदालतों में कानूनी लड़ाई हार चुका था। 13 नवंबर को राणा ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में प्रमाणपत्र के लिए याचिका दायर की थी। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद 21 जनवरी को शीर्ष अदालत ने इसे अस्वीकार कर दिया।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिका स्वीकार करने योग्य नहीं है। राणा फिलहाल लॉस एंजिल्स के मेट्रोपोलिटन डिटेंशन सेंटर में हिरासत में है। तहव्वुर राणा 26/11 मुंबई आतंकी हमले का गुनहगार माना जाता है। अमेरिका की अदालत ने अब प्रत्यर्पण पर मुहर लगा दी है। एफबीआई ने साल 2009 में राणा को शिकागो से दबोचा था।

चुनाव आयोग का रवैया पक्षपाती : खरगे

कांग्रेस का भाजपा पर निशाना, संस्थानों की स्वतंत्रता की रक्षा पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को चुनावी मामलों से निपटने के लिए चुनाव आयोग की आलोचना की और उस पर संविधान को कमजोर करने और मतदाताओं का अपमान करने का आरोप लगाया। यह आलोचना तब हुई जब देश ने 25 जनवरी 1950 को चुनाव आयोग की स्थापना के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आयोग की संस्थागत ईमानदारी का लगातार क्षरण गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

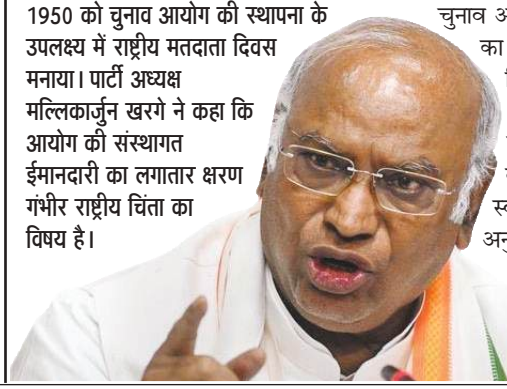

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि हरियाणा और महाराष्ट्र के हाल के विधानसभा चुनावों को लेकर व्यक्त की गई चिंताओं पर आयोग का रुख आश्चर्यजनक रूप से पक्षपात से भरा रहा है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने ट्वीट में लिखा कि भले ही हम राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाते हैं, पिछले दस वर्षों में भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता का लगातार क्षरण गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है। हमारा भारत का चुनाव आयोग और हमारा संसदीय लोकतंत्र, व्यापक संदेह के बावजूद, दशकों से निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्व स्तर पर अनुकरण के लिए आदर्श बन गया है। उन्होंने कहा कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की प्राप्ति, पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों के जमीनी स्तर तक फैली हुई, हमारे संस्थापकों के दृष्टिकोण का प्रतीक है।

पिछले एक दशक में निर्वाचन आयोग के पेशेवर रवैये पर हुआ प्रहार : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसे ही कई अन्य प्रतिष्ठित मुख्य चुनाव आयुक्त रहे हैं जिनमें टीएन शेषन का सबसे विशेष स्थान है - उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने दावा किया, "अफसोस की बात है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जोड़ी ने निर्वाचन आयोग के पेशेवर रवैये और स्वतंत्रता के साथ गंभीर रूप से छेड़छाड़ किया है। इसके कुछ फैसलों को अब उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जा रही है।" उन्होंने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र के हाल के विधानसभा चुनावों को लेकर व्यक्त की गई चिंताओं पर इसका रुख आश्चर्यजनक रूप से पक्षपात से भरा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।